बादल आए बारिश लाए

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 58)

अप्पू ने केला खाया

➢ अप्पू को कैसे पता लगा कि केले के पेड़ों को पानी चाहिए?

उत्तर अप्पू ने देखा कि केले के पेड़ मुरझा रहे हैं। जिसे देखकर उसे पता लगा कि केले के पेड़ों को पानी की जरूरत है।

➢ तुम्हारे घर के आस-पास के पेड़-पौधों को पानी कहाँ से मिलता है?

उत्तर हमारे घर के आस-पास के ज्यादातर पेड़-पौधों को पानी बारिश से मिलता है। कुछ पौधों में मैं खुद पानी डालता हूँ।

➢ अप्पू हाथी ने नदी से जी भर कर पानी पिया। तुमने जानवरों को कहाँ-कहाँ पानी पीते देखा है?

उत्तर मैंने जानवरों को पानी पीते नदियों, तालाबों और बाल्टियों में देखा है।

➢ क्या तुमने कभी किसी जानवर को पानी पिलाया है? अगर हाँ, तो किसको?

उत्तर हाँ, मैंने गाय और कुत्तों को पानी पिलाया है।

➢ जिन जानवरों को कोई पानी नहीं पिलाता, वे पानी कहाँ से पीते हैं?

उत्तर वे सारे जानवर नदियों, तालाबों, नालों और गड्ढों आदि से पानी पीते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 60)

बादल

➢ कवि को बादलों में बहुत कुछ दिखा। क्या तुम्हें भी बादलो में कभी कुछ दिखा है? क्या?

उत्तर हाँ, मैंने भी बादलों में विभिन्न तरह के आकार को देखा है। मैंने घोड़ों, गायों, भैंसों, हवाई जहाजों और राक्षसों आदि के आकारों को बादलों में देखा है।

➢ बादल क्या-क्या करते हैं?

उत्तर बादल हमारे लिए बारिश लाते हैं।

➢ बारिश आने पर तुम्हें कैसा लगता है?

उत्तर बारिश आने पर मुझे खुशी महसूस होती है।

➢ बारिश आने पर बादलों के अलावा और क्या-क्या दिखाई देता है?

उत्तर बारिश आने पर बादलों के अलावा बिजली चमकती दिखाई देती है।

➢ क्या तुमने कभी इन्द्रधनुष देखा है? इन्द्रधनुष कब दिखाई देता है?

उत्तर हाँ, मैंने इन्द्रधनुष देखा है। बारिश के तुरंत बाद इन्द्रधनुष दिखाई देता है।

➢ बारिश होने पर क्या-क्या होता है?

उत्तर बारिश होने पर दिन ठंडा हो जाता है। आकाश बादलों से घिर जाता है। मेढक टर्राने लगते हैं। हमलोग कागज की नाव बनाकर गड्ढों में तैराते हैं।

➢ बारिश होने पर नाव बनाने और उसे पानी में चलाने में मजा आता है ना? कागज की नाव बनाओ और उसे पानी में तैराओ।

उत्तर स्वयं करो।

➢ क्या तुमने बारिश में कोई परेशानी झेली है या देखी है? अपने अनुभव के आधार पर चित्र बनाओ।

उत्तर चित्र स्वयं बनाओ।

एक बार जब तेज बारिश हो रही थी, हमारी गली में पानी भर गया था। मैं घुटनों भर पानी में चलकर अपने स्कूल से घर आया था।

मैंने और भी कई लोगों को बारिश में परेशान होते हुए देखा है। मेरे पड़ोस में कुछ दिन की बनी झोपड़ियाँ हैं। उनकी छत बारिश में टपकने लगती हैं। इन घरों में रहने वाले लोग बारिश में बहुत कठिनाई झेलते हैं।